पीएम मोदी ने छह राज्यों के स्थापना दिवस पर दी बधाई

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के लोगों को उनके राज्यों के स्थापना दिवस पर बधाई दी और वहां के सभी निवासियों के लिए शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। पीएम मोदी ने यह भी उम्मीद जताई कि आने वाले साल इन छह राज्यों के लोगों के लिए नए अवसर, अधिक समृद्धि और निरंतर प्रगति लेकर आएंगे। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस पर वहां के मेरे सभी भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई। यह राज्य गौरवशाली विरासत, समृद्ध संस्कृति और अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता की भूमि है। यहां के विश्व-प्रसिद्ध धरोहर स्थल इसकी भव्य ऐतिहासिक पहचान को और भी बढ़ाते हैं।



छत्तीसगढ़ के लोगों को भेजे अपने संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि राज्य नक्सलवाद को जड़ से खत्म करते हुए विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, राज्य स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ के सभी निवासियों को हार्दिक बधाई। हरियाणा के लोगों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गौरवशाली इतिहास, असाधारण वीरता और समृद्ध संस्कृति से सजा यह राज्य देश की शान है। उन्होंने कहा कि यहां की लोक परंपराएं और जीवंत ग्रामीण संस्कृति ने हमेशा देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है।

दिलजीत के शो को खराब करने की पन्नू की साजिश नाकाम

दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखने के मामले में 3 गिरफ्तार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिलजीत दोसांझ का 'ऑरा इंडिया टूर 2026' लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। 30 अक्टूबर को दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट का आगाज हुआ। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से दिलजीत दोसांझ ने अपने ऑरा इंडिया टूर का आगाज किया, जिसे लेकर पहले खतरे के बादल मंडरा रहे थे। कई रुकावटों के बाद आखिरकार दिलजीत का दिल्ली कॉन्सर्ट पूरा हुआ। इस बीच इस कॉन्सर्ट को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जहांगीरपुरी और शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन पर खालिस्तान समर्थक ग्रैफिटी लिखने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों का संपर्क प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस से जुड़े लोगों से था। उन्हें मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखने के बदले मोटी रकम देने का लालच दिया गया था। पुलिस अब इस साजिश के पीछे मौजूद हैंडलर्स और दूसरे लोगों की तलाश कर रही है।

दिल्ली में खालिस्तान समर्थक नारे लिखकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के दो मामले सामने आए थे। 29 अक्टूबर 2026 जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास फर्श पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे मिले। 30 अक्टूबर 2026 शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-2 की सीढ़ियों की अंदरूनी दीवार पर इसी तरह की ग्रैफिटी मिली।

मेट्रो स्टेशन जैसी सार्वजनिक जगहों पर इस तरह के नारे लिखकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक महिला भी शामिल है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज ने जांच शुरू की।

इंस्पेक्टर अनुकूल पंवार और इंस्पेक्टर परवीन कुमार की टीम ने एसीपी राहुल कुमार सिंह की निगरानी में कार्रवाई की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। इसके बाद तकनीकी जांच के जरिए सबसे पहले सुमीत उर्फ रफ्तार की पहचान की गई। उसकी गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में दो अन्य साथियों के नाम सामने आए। इसके बाद पुलिस ने पंजाब में कार्रवाई करते हुए सुमित कुमार उर्फ काका और गुरप्रीत को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली मेट्रो स्टेशनों में प्रो-खालिस्तानी नारे लिखने के मामले में जिन तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें सुमीत उर्फ रफ्तार (30 साल) निवासी गांधी कॉलोनी, समालखा, पानीपत, हरियाणा, सुमित कुमार उर्फ काका (22 साल) निवासी डेरा बाबा नानक, जिला गुरदासपुर, पंजाब और गुरप्रीत (22 साल) निवासी गांव माहिलपुर, जिला होशियारपुर, पंजाब शामिल हैं। तीनों आरोपियों को स्नच्छ के सदस्य ने ग्रैफिटी लिखने का टास्क दिया था। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि सुमित कुमार उर्फ काका इस पूरे मामले में मुख्य भूमिका निभा रहा था। पुलिस के मुताबिक, सुमित का संपर्क लुधियाना और गुरदासपुर में खालिस्तान समर्थक विचारधारा से जुड़े लोगों के साथ हुआ था। इसके बाद एक सहयोगी ने उसे एक खास एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा। इस ऐप के जरिए उसे आगे के निर्देश दिए गए।

भारत ने दबाव को नकारा, रूस और खाड़ी देशों से भी खरीदा कच्चा तेल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत का कच्चे तेल का आयात अक्तूबर में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। ऊर्जा क्षेत्र की खुफिया जानकारी देने वाली कंपनी केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान देश ने प्रतिदिन करीब 56 लाख बैरल कच्चा तेल आयात किया। भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने मध्य पूर्व और रूस से खरीद बढ़ाई।

केप्लर के प्रमुख विश्लेषक निखिल दुबे ने एक पोस्ट में बताया कि अक्तूबर में मध्य पूर्व से प्रतिदिन करीब 23 लाख बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति हुई, जबकि रूस से आयात लगभग 20 लाख बैरल प्रतिदिन रहा। जहाज से जहाज के बीच तेल स्थानांतरित करने की बढ़ती गतिविधियों से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते ज्यादा कच्चा तेल पहुंचाने में मदद मिली। इससे सितंबर और अक्तूबर में खाड़ी देशों से आपूर्ति में सुधार हुआ और भारतीय रिफाइनरियों को तेल खरीदने के लिए अधिक विकल्प मिले। दुबे के मुताबिक, नवंबर और दिसंबर में रूस से तेल की आपूर्ति कुछ कम हो सकती है। काला सागर में हमलों के कारण माल ढुलाई की दरें बढ़ रही हैं, जिससे कुल लागत के लिहाज से रूसी तेल कम आकर्षक हो सकता है। वहीं, खाड़ी देशों के आपूर्तिकर्ता भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी दोबारा बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धी कीमतों पर तेल दे रहे हैं।

हालांकि, होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल की आपूर्ति में फिर कोई रुकावट आती है तो भारतीय रिफाइनरियां परिवहन लागत बढ़ने के बावजूद रूसी तेल की खरीद दोबारा बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि 16 अक्तूबर को ग्राहम एक्ट के तहत दी गई छूट से भी कुछ भारतीय खरीदारों की रूस से तेल खरीदने को लेकर चिंताएं कम हो सकती हैं। इससे रिफाइनरियों को खरीद के मामले में ज्यादा विकल्प मिलेंगे। भारत अपनी कच्चे तेल की करीब 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है।

तिरुवनंतपुरम में 3 से लोक लेखा समितियों का सम्मेलन

नयी दिल्ली (आससे)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ३ नवंबर को केरलम की राजधानी तिरुवनंतपुरम में संसद तथा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की विधानमंडलों की लोक लेखा समितियों (पीएसी) के सभापतियों के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन में 'लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं सुशासन रू लोक लेखा समिति की उभरती भूमिका' विषय पर चर्चा होगी। उद्घाटन सत्र में केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, केरलम विधानसभा के अध्यक्ष थिरुवनचूर राधाकृष्णन और विधानसभा की लोक लेखा समिति के सभापति के. एन. बालगोपाल शामिल होंगे।

संसद की लोक लेखा समिति के सभापति के. सी. वेणुगोपाल स्वागत भाषण देंगे, जबकि विधानसभा की उपाध्यक्ष शानिमोल उस्मान धन्यवाद ज्ञापन करेंगी। सम्मेलन में संसद और राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों की विधानसभाओं की लोक लेखा समितियों के सभापति एवं सदस्य भाग लेंगे। इस दौरान सार्वजनिक व्यय पर विधायी निगरानी, शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और वित्तीय अनुशासन को मजबूत बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श होगा।

संजय सिंघल ने संभाला आईटीबीपी के महानिदेशक का अतिरिक्त कार्यभार

नयी दिल्ली (आससे)। भारतीय पुलिस सेवा के १९९३ बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ अधिकारी संजय सिंघल, आईपीएस ने आज भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के महानिदेशक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया है। सिंघल ने बीते ३१ अक्टूबर को सेवानिवश्त हुये शत्रुजीत कपूर, आईपीएस का स्थान लिया है। आईटीबीपी के जनसंपर्क अधिकारी कमलेश कमल ने बताया कि सिंघल को पुलिस प्रशासन, सीमा सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। अपने सेवाकाल में उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

स्पेन में इबेरो-अमेरिकी सम्मेलन में हिस्सा लेंगे विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा

नयी दिल्ली (आससे)। विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा तीन से पांच नवंबर तक स्पेन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह स्पेन की मेजबानी में आयोजित होने वाले इबेरो-अमेरिकी सम्मेलन के ३०वें शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। भारत इस सम्मेलन में एसोसिएट अहब्जर्वर के रूप में शामिल होने जा रहा है।

इबेरो-अमेरिकी सम्मेलन में वर्तमान में २२ सदस्य देश हैं, जिनमें लैटिन अमेरिका के १९ और यूरोप के तीन देश स्पेन, पुर्तगाल तथा अंडोरा शामिल हैं। इसके अलावा सम्मेलन में १२ एसोसिएट अहब्जर्वर और २० कंसल्टेटिव अहब्जर्वर देश भी हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मार्गेरिटा की यह यात्रा भारत-स्पेन के बीच संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के द्विवर्षीय आयोजनों के सिलसिले में भी महत्वपूर्ण होगी। यात्रा के दौरान वह सम्मेलन से इतर विभिन्न देशों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इसके अलावा मैड्रिड में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सदाकत आश्रम पहुंची...

संबंधित सिम कार्ड उपलब्ध कराने के साथ ही 1 जुलाई 2025 से अब तक उस नंबर का इस्तेमाल जिन-जिन मोबाइल फोन में किया गया है, उनकी जानकारी देने को कहा गया है। इसके अलावा पुलिस ने पूछा है कि ऐटएनआईसीबिहार ट्विटर हैंडल का आधिकारिक रूप से इस्तेमाल कौन करता है। साथ ही 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच किन-किन लोगों को इस हैंडल को संचालित करने की अनुमति दी गई थी, उनकी सूची भी मांगी गई है ।यह नोटिस दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस, स्पेशल सेल की ओर से जारी किया गया है। इस पर सब-इंस्पेक्टर देवल शेखलान के हस्ताक्षर हैं और नोटिस की तारीख 1 नवंबर 2026 है। नोटिस में एफआईआर नंबर 50/25 का उल्लेख किया गया है। यह एफआईआर 13 सितंबर 2025 को दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू थाने में दर्ज की गई थी। फिलहाल इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल कर रही है।अमित कुमार मंडल को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 94 के तहत नोटिस भेजा गया है। पुलिस ने उनसे मामले से संबंधित अन्य जरूरी दस्तावेज और जानकारियां भी उपलब्ध कराने को कहा है।

टैक्स देने वाले छोड़ें...

में योगदान दें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोकतंत्र को मजबूत करने और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ बिहार के ऐतिहासिक जुड़ाव के कारण, यह जरूरी हो गया है कि युवा इन मूल्यों को संरक्षित करने और मजबूत बनाने में आगे आएं। सीएम चौधरी ने कहा कि भारत को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्षों के जरिये 1947 में आजादी मिली थी। जैसे-जैसे देश अपनी आजादी के 80 साल पूरे करने की ओर बढ़ रहा है, लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराने की जरूरत है।

बता दें कि बिहार सरकार ने घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत हर महीने 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने का फैसला किया है। यह व्यवस्था 1 अगस्त 2025 से लागू की गई है। इसके तहत राज्य के सभी घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को उनकी मासिक खपत के पहले 125 यूनिट पर 100 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। यानी 125 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करने पर उपभोक्ताओं को ऊर्जा शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ता।

बिहार में खुला पहला...

के प्रथम चरण में प्रति इकाई 7.44 लाख रुपये की लागत से कुल 200 तरकारी आउटलेट का निर्माण कराया जा रहा है। प्रत्येक आउटलेट का आकार 15310 वर्ग फीट निर्धारित किया गया है। पटना नगर निगम क्षेत्र के पार्कों में भी इस प्रकार के गुणवत्तापूर्ण तरकारी आउटलेट खोले जाने की योजना है। शीघ्र ही पटना के गर्दनीबाग स्थित ऑफिसर्स फ्लैट और शास्त्री नगर स्थित ऑफिसर्स क्वार्टर में भी तरकारी आउटलेट का शुभारंभ किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस योजना का मूल उद्देश्य %हर थाली में बिहार तरकारी% के संकल्प को साकार करना है। इसके लिए पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का विकास किया जा रहा है तथा सब्जी संग्रहण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों को आवश्यक बुनियादी उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही, सब्जी हाटों में कोल्ड स्टोरेज की सुविधा विकसित की जा रही है, ताकि सब्जियों की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ ही उनकी बर्बादी भी रोकी जा सके। सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों से जुड़े किसान सदस्यों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे उन्हें आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन की जानकारी मिल सके।

रामलीला मैदान में...

कुमार के बिना नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री और अमित शाह गृह मंत्री नहीं बन पाते। राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं। राहुल ने कहा कि उन्हें और प्रधानमंत्री को कहीं जाने नहीं दिया जाएगा। ज्ञानेश कुमार के बाद विपक्ष उनके सामने खड़ा होगा और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में कोई भी व्यक्ति संविधान से बड़ा नहीं है। विपक्ष ऐसा भारत चाहता है, जहां किसान को उसकी मेहनत का फल और विद्यार्थियों को उनकी पढ़ाई का उचित प्रतिफल मिले। देश कुछ चुनिंदा लोगों का नहीं हो सकता।

रैली में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में लाखों मतदाताओं के नाम एसआईआर के जरिए काटे गए। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि केवल उसके समर्थक ही देश के नागरिक और मतदाता बने रहें। अखिलेश ने रामलीला मैदान को लोकतंत्र का हल्दीघाटी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में जो लोग आए थे, उन्हें अब वहां से जाना होगा।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि एसआईआर के कारण राज्य में एक करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए और उनकी हार नहीं हुई, बल्कि उन्हें हराया गया। उन्होंने कहा कि बंगाल के साथ अन्याय हुआ है, लेकिन विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ाई जारी रखेगा। राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों की तुलना महाभारत के शकुनि के पासों से की। उन्होंने कहा कि जब शकुनि पासा फेंकता था तो वही होता था, जो वह चाहता था। इसी तरह चुनाव में निष्पक्ष मुकाबले की स्थिति नहीं रह गई है। तेजस्वी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जेल भेजने की मांग भी की।

सीपीआई (एमएल) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने एसआईआर को आम लोगों के मताधिकार छीनने का जरिया बताया। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के खिलाफ सत्ता की ओर से सर्जिकल स्ट्राइक है। रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले इंडिया गठबंधन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आयोजित महक संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया था। राहुल गांधी ने वहां दावा किया था कि १३.३ करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए और २०२४ के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने तीन प्रतिशत के अंतर से जीत हासिल की थी। रैली के मद्देनजर रामल. ीला मैदान और आसपास के इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। तीन हजार से अधिक पुलिसकर्मियों और १० हजार अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया था।

देश में अराजकता फैलाने...

सुनियोजित नाटक है, जिन्हें जनता चुनावों में हरा चुकी है और बार-बार खारिज कर चुकी है। जनता इस सच्चाई को अच्छी तरह समझती है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को संबोधित करते हुए कहा, राहुल गांधी, मैं आज देश को बताना चाहता हूं कि आपकी राजनीति का मॉडल क्या है। इसका पहला चरण झूठ और अफवाहें फैलाना है। दूसरा चरण सड़कों पर अराजकता और अव्यवस्था पैदा करने के लिए लोगों को उकसाना है। तीसरा चरण देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना है और चौथा चरण विदेशी ताकतों के इशारे पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करना है। राहुल गांधी के 1 नवंबर के इस नाटक के चार मकसद हैं। पहला, हमारे सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कना। दूसरा, दिल्ली में दंगे और अराजकता फैलाकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को गिराने की कोशिश करना। तीसरा, त्योहारी सीजन में दिल्ली के दुकानदारों और व्यापारियों की कमाई छीनना और चौथा, देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाना। विपक्षी गठबंधन इंडिया की महारैली पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का मकसद इस त्योहारी सीजन में दिल्ली को ठप करना, छोटे दुकानदारों और कारोबारियों की रोजी-रोटी पर चोट पहुंचाना और देश में अशांति व अराजकता का माहौल पैदा करना है। हम इस समय त्योहारों के सीजन से गुजर रहे हैं। धनतेरस, दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहार आने वाले हैं। पूरे साल हमारे छोटे व्यापारी, रेहड़ी-पटरी वाले और दुकानदार इस समय का इंतजार करते हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि इस दौरान इतनी कमाई हो जाएगी कि वे अपने परिवार का खर्च चला सकें और बच्चों की जरूरतें पूरी कर सकें। लेकिन राहुल गांधी को इस बात की कोई चिंता नहीं है कि इन कारोबारियों के घरों का चूल्हा जल पाएगा या नहीं। उन्हें सिर्फ अपनी तरह की राजनीति को आगे बढ़ाने में दिलचस्पी है।

नड्डा ने कहा, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी से बार-बार संपर्क किया। आज भी उनसे संपर्क किया गया। संगठन ने एक-दो बार नहीं, बल्कि तीन बार उनसे अपील की कि भगवान के लिए, त्योहारी सीजन में इतनी बड़ी भीड़ लेकर दिल्ली मत आइए और हमारे कारोबार को ठप मत कीजिए। लेकिन राहुल गांधी की जिद के कारण आज कारोबारियों का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है।

काशी की धरती पर...

सामाजिक न्याय, सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्य और समावेशी विकास पार्टी की प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति पद और प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम है।

उन्होंने नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में पिछले २० वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, ऊर्जा, महिला सशक्तीकरण और जीविका के क्षेत्र में हुए कार्यों को उल्लेख किया। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को ५० प्रतिशत आरक्षण, सरकारी नोकरियों में ३५ प्रतिशत आरक्षण, जीविका के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा जल-जीवन हरियाली जैसी पहलों को बिहार के विकास की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को बताया। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि वर्ष २०२७ का विधान सभा चुनाव उत्तर प्रदेश में पार्टी संगठन की महत्वपूर्ण परीक्षा होगी। यदि पार्टी चार से छह विधायक भी निर्वाचित कराने में सफल होती है तो प्रदेश संगठन विस्तार को नयी गति मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताटों से नीतीश कुमार की विकास परक नीतियों और बिहार मॉडल को गांव-गांव तथा बूथ स्तर तक पहुंचानेकी अपील की। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अनुप सिंह पटेल ने करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में चार से छह विधायक बनाने के लक्ष्य को लेकर संगठन को मजबूत किया जा रहा है। सम्मेलन को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो.जमा खान, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, सुनील कुमार, पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, पूर्व मंत्री अजीत चौधरी समेत कई ने संबोधित किया।

अर्नब के बाद मुरासु...

से टकराने की आशंका है. भारतीय मौसम विभाग ने अपने ताजा बुलेटिन में कहा कि बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मुरासु' लगातार ताकतवर हो रहा है. 2 नवंबर की सुबह तक इसके गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है. तूफान 2 नवंबर की आधी रात से 3 नवंबर की सुबह के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट से टकरा सकता है. इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा रहने और झोंकों के साथ 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की आशंका है. वहीं, आईएमडी ने लोगों को मौसम विभाग की ताजा अपडेट और चेतावनियों पर नजर रखने की सलाह दी है.

रिपोर्ट के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मुरासु का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश के बीच में और दक्षिणी तटीय इलाकों में पड़ने की संभावना जताई जा रही है. आईएमडी ने 2 नवंबर के लिए राज्य के पांच जिलों- कृष्णा, गुंटूर, बापटला, प्रकाशम और स्क्रस्क्रनेल्लोर ङ्क में रेड अलर्ट जारी किया है. इन्हीं पांच जिलों में कुछ इलाकों में सबसे ज्यादा बारिश होने की संभावना है.

आईएमडी ने 2-3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेंलंगाना में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है. अगले दोनों दिनों में राज्य के तटीय इलाकों में 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है.

राज्य पर चक्रवाती तूफान मुरासू के खतरे को देखते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार (2 नवंबर, 2026) को होने वाले अपने दिल्ली दौरे को कैंसिल कर दिया है. सीएम नायडू ने अपने पोस्ट में कहा, 'मौसम प्रणाली के 2 नवंबर तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है. इसके 3 नवंबर की सुबह बापटला के पास तट से टकराने का अनुमान है.'

रिपोर्ट के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मुरासु को देखते हुए ओडिशा सरकार के स्पेशल रिलीज कमिश्नर ने राज्यभर में तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती एक्शन प्लान साझा की है और इमरजेंसी निर्देश भी जारी किए हैं. तूफान के कारण ओडिशा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की आशंका है. चक्रवाती तूफान अरनब की चपेट में आए ओडिशा के गंजाम और गजपति जिलों में शनिवार (31 अक्टूबर) को बाढ़ की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ. ज्यादातर प्रभावित इलाकों से पानी घटने लगा और नदियों का जलस्तर भी कम होने लगा. इस बीच राज्य के ष्टरूमोहन चरण माझी ने अधिकारियों को राहत और बहाली कामों में तेजी लाने का निर्देश दिया.

डालमियानगर में कार...

कुमारी (34) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान चंदन कुमार के पास रखे झोले से 4.50 लाख रुपये, पूनम कुमारी के पास से 36 लाख रुपये और ज्योति कुमारी के पास से 26 लाख रुपये बरामद हुए। इस तरह कुल 66.50 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि बरामद नकदी के संबंध में तीनों से वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके और न ही संतोषजनक जवाब दे पाए। इसके बाद पूरी राशि की विधिवत जब्ती सूची तैयार कर नकदी जब्त की गई तथा आयकर विभाग को इसकी सूचना दी गई। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

छापेमारी दल में ये रहे शामिल शिवसागर थानाध्यक्ष रितेश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सतीश कुमार, विनोद कुमार यादव, जया भारती, धर्मेंद्र कुमार एवं थाना रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

प्रधानमंत्री बनना है तो...

बोले। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी पर दिल्ली में उनकी रैली पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी है। शाह ने कहा, एक नवंबर को दिल्ली में राहुल गांधी का 'जलसा' सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। शाह ने दंगों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उस दौरान हजारों लोग मारे गए थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी के रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने को लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की आलोचना करते हुए कहा, जिस दिन सिखों का नरसंहार हुआ था, उसी दिन उन्हें रैली आयोजित करनी थी। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने कथित चुनावी अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपने अभियान के तहत राष्ट्रीय राजधानी में 'चलो दिल्ली' रैली आयोजित की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसे काले दिवस पर रैली आयोजित करने के लिए राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कुछ नहीं निकला। शाह ने कहा, अगर आप प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं तो पूरी जिंदगी प्रतीकात्मक संसद (मॉक पार्लियामेंट) में ही बैठे रहिए। आपका नंबर कभी नहीं आयेगा। शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, झूठ बोलना, अराजकता फैलाना और संसद को काम नहीं करने देना, यही आपकी फितरत है। 'इंडिया' गठबंधन ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक रूप से जन महाभियोग चलाया। गठबंधन ने उन पर चुनाव में धांधली करने के लिए मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया और मांग की कि उन पर देशद्रोह के आरोप में अदालत में मुकदमा चलाकर जेल भेजा जाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक नवंबर, 1984 को सिख विरोधी दंगों के दौरान दिल्ली में हजारों सिखों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। शाह ने कहा, हजारों सिखों को जिंदा जला दिया गया। कई सिखों को अपने घर छोड़ने पड़े, कई बच्चे अनाथ हो गए, कई बहनें विधवा हो गईं और अनेक लोगों के घर जला दिए गये। उन्होंने कहा, तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने एक बयान दिया था। मैंने यह बयान टीवी पर देखा था और उसे जीवनभर नहीं भूल सकता। उन्होंने (राजीव गांधी) कहा था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। उन्होंने कहा कि हजारों सिखों की हत्या के बाद ऐसी टिप्पणी केवल कांग्रेस के नेता ही कर सकते हैं।

महादेव ऐप केस...

उसे तलाश कर हिरासत में लिया था। इसके बाद सीबीआई और ईडी ने ओमान को औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा था। प्रत्यर्पण की मंजूरी मिलने के बाद सीबीआई की टीम मस्कट पहुंची और उसे भारत लेकर आई।

छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने महादेव ऑनलाइन बुक से जुड़े मामलों की जांच अपने हाथ में ली थी। जांच में सामने आया कि महादेव ऑनलाइन बुक देश के सबसे बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट में से एक था। इसका संचालन भारत के बाहर से किया जा रहा था। इस नेटवर्क के जरिए क्रिकेट, फुटबॉल, ताश के खेल और अन्य आयोजनों पर अवैध सट्टेबाजी कराई जाती थी। इसके लिए देशभर में फ्रेंचाइजी पैनल और शाखाओं का नेटवर्क बनाया गया था। ये पैनल लोगों को अपने साथ जोड़ते थे और उनसे सट्टे की रकम जमा कराते थे।

सीबीआई की जांच में पता चला कि अवैध सट्टेबाजी से हासिल रकम को बड़ी संख्या में म्यूल बैंक खातों के जरिए इधर-उधर किया जाता था। कई स्तरों पर लेनदेन के बाद इस पैसे को हवाला नेटवर्क के माध्यम से विदेश भेजा जाता था। जांच एजेंसी के अनुसार, इस अवैध कमाई का एक हिस्सा सरकार